प्रेस प्रकाशनी PRESS RELEASE

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
वेबसाइट : www.rbi.org.in/hindi
Website : www.rbi.org.in
ई-मेल/email : helpdoc@rbi.org.in

संचार विभाग, केंद्रीय कार्यालय, शहीद भगत सिंह मार्ग, फोर्ट, मुंबई - 400 001
Department of Communication, Central Office, Shahid Bhagat Singh Marg, Fort, Mumbai - 400 001 फोन/Phone: 022 - 2266 0502

30 मई 2025

बैंक ऋण का क्षेत्रवार अभिनियोजन – अप्रैल 2025

अप्रैल 2025[1] माह के लिए 41 चुनिंदा अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) से जुटाए गए बैंक ऋण के क्षेत्रवार अभिनियोजन संबंधी आंकड़े, जो सभी एससीबी बैंकों द्वारा अभिनियोजित कुल खाद्येतर ऋण का लगभग 95 प्रतिशत होता है, विवरण I और II में दिए गए हैं।

वर्ष-दर-वर्ष (व-द-व) आधार पर, 18 अप्रैल 2025 को समाप्त पखवाड़े की स्थिति के अनुसार खाद्येतर बैंक ऋण[2] में 11.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई[3], जबकि पिछले वर्ष के इसी पखवाड़े (अर्थात 19 अप्रैल 2024) के दौरान यह 15.3 प्रतिशत थी।

18 अप्रैल 2025 को समाप्त पखवाड़े की स्थिति के अनुसार बैंक ऋण[3] के क्षेत्रवार अभिनियोजन की मुख्य बातें नीचे दी गई हैं :

- कृषि और संबद्ध कार्यकलापों हेतु प्रदत्त ऋण में 9.2 प्रतिशत (व-द-व) की वृद्धि दर्ज की गई (पिछले वर्ष के इसी पखवाड़े में 19.8 प्रतिशत)।
- उद्योग क्षेत्र को प्रदत्त ऋण में 6.7 प्रतिशत (व-द-व) की वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के इसी पखवाड़े में 6.9 प्रतिशत थी। प्रमुख उद्योगों में, 'मूल धातु और धातु उत्पाद', 'सभी अभियांत्रिकी', 'वाहन, वाहन कलपुर्जे और परिवहन उपकरण', 'कपड़ा' तथा 'निर्माण' को बकाया ऋण में तेज वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर्ज की गई। तथापि, आधारभूत संरचना खंड में ऋण वृद्धि में गिरावट आई।
- सेवा क्षेत्र को प्रदत्त ऋण कम होकर 11.2 प्रतिशत (व-द-व) रह गया (पिछले वर्ष के इसी पखवाड़े में 19.5 प्रतिशत), जो मुख्य रूप से 'गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों' (एनबीएफसी) को प्रदत्त ऋण में मंद वृद्धि के कारण थी। 'व्यापार' और 'कंप्यूटर सॉफ्टवेयर' खंड में ऋण वृद्धि (व-द-व) में तेजी बनी रही।

---

[1] आंकड़े माह के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार से संबंधित हैं, जो क्षेत्रवार और उद्योगवार बैंक ऋण (एसआईबीसी) विवरणी पर आधारित हैं।

[2] खाद्येतर ऋण के आंकड़े माह के अंतिम रिपोर्टिंग शुक्रवार हेतु धारा-42 विवरणी पर आधारित हैं, जिसमें सभी अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक (एससीबी) शामिल हैं।

[3] बैंक के साथ गैर-बैंक के विलय के प्रभाव को छोड़कर।

- वैयक्तिक ऋण खंड हेतु प्रदत्त ऋण में 14.5 प्रतिशत (व-द-व) की मंद वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक वर्ष पहले यह 17.0 प्रतिशत थी, जिसका मुख्य कारण 'अन्य व्यक्तिगत ऋण', 'वाहन ऋण' और 'क्रेडिट कार्ड बकाया' की वृद्धि में गिरावट थी।

अजीत प्रसाद
उप महाप्रबंधक (संचार)

प्रेस प्रकाशनी: 2025-2026/439